**Report**

**Hindi Day Celebrations with motivational lecture on "Importance of Hindi Language"**

**14-9-2023**

Under the direction of Principal Dr. Rishipal, celebrated Hindi Day with a motivational lecture. The event was organized by Dr. Ishwar Singh Sagwal, Head of the Hindi Department and Coordinator of the Hindi Literary Council, along with Assistant Professor Dr. Deep Chand. Dr. Deep Chand successfully conducted the program.

The chief guest and main speaker for the event was Dr. Ramendra Singh, Director of Vidya Bharati Sanskriti Shiksha Sansthan, Kurukshetra. The program commenced with Principal Dr. Rishipal, Dr. Ishwar Singh Sagwal, and Dr. Deep Chand welcoming and honoring Dr. Ramendra Singh with a bouquet.

Addressing the students, Dr. Ishwar Singh Sagwal emphasized that Hindi is not just a language of communication but also a social and cultural bridge among all Indians. He stated that Hindi is the language that unites people across the country.

Principal Dr. Rishipal highlighted the efforts of the Hindi Sahitya Bharati (International) family towards the promotion and upliftment of Hindi. He mentioned that Dr. Ramendra Singh is excellently fulfilling his responsibilities as the President of the institution.

In his inspirational lecture, Dr. Ramendra Singh underscored the importance of Hindi, noting that it is taught as a language in about 170 countries worldwide. He explained that Hindi fortnight is organized in September to promote the use of Hindi in various government offices and to increase the interest of officials and employees in Hindi for official work. He also expressed that Hindi Day should not be limited to September 14 but should be celebrated every day. Furthermore, he highlighted that without language, a person cannot express their thoughts, and the progress of any country or society depends on its language.

The event saw active participation from students and staff, making it a successful celebration of Hindi and its significance.

# भारतीयों के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक सेतु है हिंदी भाषा : ईश्वर

## जनता कॉलेज में हिंदी दिवस पर प्रेरक व्याख्यान का आयोजन

**हाड़ौती अधिकार**

कैथल, 14 सितम्बर। बाबू अनन्त राम जनता महाविद्यालय कौल में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के दिशा-निर्देशन में हिंदी विभागाध्यक्ष एवं हिंदी साहित्य परिषद् के संयोजक डॉ. ईश्वर सिंह सागवाल व सहायक प्रवक्ता डॉ. दीप चंद की देखरेख में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसमें मुख्य वक्ता डॉ. रामेंद्र सिंह, निर्देशक विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र रहे। कार्यक्रम के आरंभ में प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. ईश्वर सिंह सागवाल व डॉ. दीप चंद ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। डॉ. ईश्वर सिंह सागवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदी भाषा न केवल बोल चाल की भाषा है बल्कि हर भारतीय के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक सेतु भी है। उन्होने कहा कि हर भारतीय के लिए हिंदी दिवस का बेहद खास महत्व है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी भाषा ही वह भाषा है जो देश के सभी लोगों को एक सूत्र में पिरोती है। हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं डॉ राजेंद्र प्रसाद ने अथक प्रयास किए हैं। प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल ने मुख्य वक्ता का स्वागत व परिचय करवाया और हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिंदी भाषा ही है जो देश के विभिन्न धर्म और संस्कृति के लोगों को आपस में जोड़ती है। इसके लिए प्रांत के अध्यक्ष डॉ. रामेंद्र सिंह जी उसके दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। मुख्य वक्ता डॉ. रामेंद्र सिंह ने अपने प्रेरक व्याख्यान में बताया कि हिंदी का महत्व इस बात से पता चलता है कि दुनिया भर के लगभग 170 देश में हिंदी एक भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है।

विभिन्न सरकारी कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए और सरकारी कामकाज में अधिकारियों व कर्मचारियों की हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से सितंबर माह में हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि हमें केवल 14 सितंबर को ही हिंदी दिवस नहीं मनाना चाहिए बल्कि हर दिन हिंदी दिवस होना चाहिए।

कैथल जनता कॉलेज कौल में हिंदी दिवस पर अतिथियों को सम्मानित करते हुए प्रिंसिपल।